Experiment :

Date

Page No.

Cross Disability & Inclusion

Submitted

Name → Poojasharma

Special B.ed (MR)

2nd Year

CLASSTIME

Experiment :

Date ______ Page No. ______

Cross

Disability

Meaning → हम उन तरीको में रूचि रखते है जो क्रास विकलांगता की ओर विकास और वकालत के काम में मि विवाद मुल्य और वकालत लक्ष्य बनाए गये है। सगठनो कार्यक्रमो और वकालत के प्रभावो को प्रकृति में क्रास विकलांगता माना जाता है।

भारत में विकलांगता कार्यकर्ता और संगठन अक्सर घोषणा करते है कि वे 'क्रास विकलांगता' है जैसे आमतौर पर उपयोग की जान वाली अवधारणाये पहुँचे जैसे कि विकलांगता अधिकार आवश्यक रूप से व्यक्तिगत विकलांगता श्रेणियों की विशिष्टता को संबोधित नहीं करते है।

यदि किसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनो स्तरो पर विकलांगता कानून पर विचार करना है तो सबसे अधिक "क्रास - डिसएबेलिटी" है। और अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता वकालत "Cross Disability" लिंक्रामो जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता गठबंधन और विकलांग पीपुल्स इंटरनेशनल द्वारा संचालित है।

CLASSTIME

Experiment : Date ______
Page No. ______

जबकि आइडीए, उदाहरण के लिए स्कूल मुद्दे। हामी पहुंचाने का समूहों का गठबंधन है। इसके सदस्य काफी हद तक "क्रास Disability" के आयोजनों पर केंद्रित है।

जैसे कि विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन जो शुरू करता है सभी विकलांग श्रेणियों को इसमें शामिल करना चाहिए।

हालांकि "Cross Disability" पर ध्यान देने से हम समस्याग्रस्त हो जाते हैं क्योंकि विकलांग लोगों की विविध प्रकार की जरूरतें और समस्याएं होती हैं और यह भी संभव है कि वे और समूहों की जरूरतों और इच्छाओं के बारे में नहीं जानते हो। दरअसल मिशेल से नेत्रहीन और शारीरिक रूप से असक्षम लोगों को कथित मान्यता और सांकेतिक भाषा बोलने वालों की मौजूदगी की आवश्यकता ज्यादा बहरे लोगों को होती है।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

CROSS DISABILITY

APPROACH :-

INTRODUCTION :- हमारे कर्म हमारी सारी सोच हमारी सभी गतिविधियों का अंतिम लक्ष्य विकलांग लोगों का सशक्तिकरण है। विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए बहुत सारे मॉडल उपलब्ध हैं और प्रत्येक मॉडल दृष्टिकोण की अपनी ताकत है और इन सभी मॉडलों ने सशक्तिकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाने में अपने - अपने तरीके से योगदान दिया है। अब नया मॉडल क्रॉस "विकलांगता" है।

History :- अतीत में अंधे लोग और साथ में और अंधे लोगों के मिलन से अस्तित्व में आया। वे अपने अधिकारों की मांग करते हैं। उसके बाद मानसिक रूप से विक्षिप्त के लिए स्कूल में रहने की परंपरा थी। हमने सभी मोटर विकलांग लोगों, बौद्धिक विकलांग लोगों और अन्य लोगों के कई मजबूत संगठन नहीं देखे हैं। विकलांगों को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए अतीत में बहुत सारे आंदोलन थे, लेकिन आंदोलन विशेष रूप से

CLASSTIME

Experiment : Date
Page No.

नेत्रहीन और बहरे जैसी विशिष्ट विकलांगता के लिए थे।
विभिन्न प्रकार के विकलांगों की अलग-अलग जरूरतें होती हैं और प्रत्येक समूह या संगठन विशेष या विशिष्ट सहायता और विशेष कार्यक्रम के लिए होता है।
सरकार ने इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अलग से जरूरतों को पूरा करना मुश्किल था।
इसलिए विभिन्न विकलांगता / नए दृष्टिकोण के लिए इस दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है जिसके द्वारा सभी विकलांग एक साथ मुख्यधारा में शामिल होने के लिए एक नए दृष्टिकोण "क्रास डिसएबिलिटी" के रूप में सामने आए।

CROSS DISABILITY APPROACH के बारे में ⟹

यह ऐतिहासिक तथ्य डीपीआई (विकलांग लोगों इंटरनेशनल) के उद्भव के साथ बदल गया, डीपीआई का नारा "हमारे बारे में हमारे बिना कुछ भी नहीं" है।

Definition ⟹ यह एक ऐसा दृष्टिकोण है, जो विकलांगता के प्रकारों में अंतर नहीं करता है।

CLASSTIME

Experiment : Date
Page No.

दूसरे शब्दों में → यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जो व्यापक रूप से सभी प्रकार की अक्षमताओं को एक साथ ध्यान में रखता है और सामूहिक योजना को बढ़ावा देता है।
इस दृष्टिकोण में विशेष उपसमूह पर ध्यान केन्द्रित करने से जब भी संभव हो से बचना चाहिए क्योंकि "भेद अक्सर सबसे कमजोर लोगों को और अधिक कलंक की ओर ले जाता है। यह सामूहिक रूप से नीतिगत निर्णय लेने के बारे में है और विकलांग लोगों के लिए सभी विकलांगों में समान क्षमता प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण विकलांगों की विभिन्न श्रेणियों पर सहयोग और नेटवर्क चाहता है। विभिन्न विकलांग व्यक्तियों और विभिन्न क्षमताओं के साथ शामिल हैं।

NEED FOR CROSS DISABILITY ⇒

समानता के अधिकार की पूर्ति के लिए बहुत कुछ नहीं है सभी व्यक्तियों को एक ही ढांचे में शामिल करना आवश्यक है जब तक कि उनमें अलग-अलग योग्यताएँ न हों।

CLASSTIME

Experiment :

Date ______
Page No. ______

निर्णय लेने की बेहतर पहुंच।

सभी विकलांगों / एक ही संदर्भ में अलग-अलग सक्षमों की भागीदारी के बिना उनके अधिकारों और जरूरतों पर निर्णय लेने तक पहुँच आसान नहीं है।
निःशक्त जनों को अपनी स्वयं की नीतियों के निर्णय और कार्यक्रमों में स्वयं भाग लेना चाहिए।
हम विकलांग लोगों की जरूरतों तक नहीं पहुंच सकते क्योंकि विकलांग लोग उनकी जरूरतों को अच्छी तरह से जानते हैं।
इसलिए विकलांग लोगों की भागीदारी बहुत जरूरी है।

⇒ मुख्य जरूरत समान अवसर है।
⇒ समान सदस्यता समाज और व्यक्तिगत और समान अधिकार के संबंध के लिए आवश्यक है।
⇒ समान अधिकार के सम्मान के लिए समाज को संपूर्ण व्यक्ति (सामान्य / विकलांग) की समान सदस्यता की आवश्यकता है।

⇒ इसे संरक्षित करने की जरूरत है बढ़ावा देने और फैलाने की जरूरत है।

CLASSTIME

Experiment : Date
Page No.

Benifits of Cross Disability Application

⇒ क्रॉस- डिसेबिलिटी आंदोलन में उन सभी लोगों को शामिल करने के लिए इंद्रधनुष दृष्टिकोण है जिन्हें विकलांगता लेबल दिया गया है, वास्तव में कुछ ने इसे विकलांगों के आंदोलन का नाम दिया है। का कारण है —

⇒ स्वतंत्रता :→ जैसा कि हमने क्रॉस डिसेबिलिटी दृष्टिकोण पर चर्चा की है विकलांगों को समाज में मिलने के लिए जोखिम प्रदान करता है विकलांग स्वतंत्र रहना सीखते हैं, समानता के स्तर को प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करते हैं।

⇒ पूर्ण नागरिकता :→ पूर्व में विकलांग व्यक्ति को पूर्ण नागरिक नहीं माना जाता था क्योंकि वे विकलांगता के कारण समाज का सक्रिय हिस्सा नहीं थे लेकिन क्रॉस डिसेबिलिटी दृष्टिकोण ने निर्णय लेने और भागीदारी करने का अवसर प्रदान किए, उन्हें पूर्ण नागरिक माना जाता था।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

कुल समावेश :

→ लीडरशिप को बढ़ावा देना।

→ विकलांगता संबंधी कानूनों का पूर्ण प्रवर्तन और कार्यान्वयन।

→ कार्यक्रम - जीवन को बढ़ाने के लिए और यह गरीबी और बेरोजगारी को कम करता है।

→ यह जमीन का अधिकार सुनिश्चित करता है।

→ विकलांगता की शब्दावली में एकरूपता।

→ विकलांग लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के बारे में जनता और सरकार के नीति निर्माताओं को शिक्षित करना।

Conclusion → यह दृष्टिकोण भेद नहीं करता है के बीच विकलांगता के प्रकार.

यह उन सभी लोगों को शामिल करने के लिए एक इंद्रधनुषी दृष्टिकोण है जिन्हें विकलांगता का लेबल दिया गया है।

इससे अधिक हम सब कह सकते हैं कि यह एक सुनहरा दृष्टिकोण।

Experiment :

Date

Page No.

है जिसके द्वारा हम समानता के लिए शामिल किए जाने और सामान्यीकरण और सूची के संरक्षण के अपने लक्ष्य संभव है तक पहुँच सकते है।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

Inclusive Education

समावेशी शिक्षा

Meaning of Inclusive Education ⟹

शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी शिक्षा का अर्थ विद्यालय के पुन निर्माण की वह प्रक्रिया है जिसका लक्ष्य सभी बच्चों को सामाजिक और शैक्षिक अवसरों की उपलब्धता से है। अपने परिवेश में रहते हुए विशेष बच्चों को आधुनिक विद्यालय में शिक्षा की और मुख्य धारा से जोड़ना समावेशी शिक्षा कहलाता है।

Defination :→

⇒ स्टीफन एवं ब्लैकहर्ट के अनुसार → "शिक्षा के मुख्य धारा का अर्थ बालकों की सामान्य कक्षाओं में शिक्षण व्यवस्था करना है या समान अवसर है जो मनोवैज्ञानिक सोच पर आधारित है व्यक्तिगत योजना के द्वारा उपयुक्त सामाजिक मानवीकरण और अधिगम

CLASSTIME

Experiment : Date ________
Page No. ________

को बढ़ावा देती है"

थरशोल के अनुसार → "समावेशी शिक्षा के कुछ कारण योग्यता लिंग, प्रजाति, जाति, भाषा, पिता का स्तर, सामाजिक और आर्थिक स्तर, विकलांगता, व्यवहार या धर्म से संबंधित होते हैं।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार :→ "समावेशी शिक्षा अधिगम के ही नहीं बल्कि विशिष्ट अधिगम के नए आयाम खुलती है"

अन्य शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार → "समावेशी शिक्षा वह शिक्षा होती हैं जिसमें सामान्य बालक बालिकाएं तथा विशिष्ट बालक बालिकाएँ एक ही विद्यालय में बिना किसी भेदभाव के एक साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं।"

CLASSTIME

Experiment :

Date ______
Page No. ______

समावेशी शिक्षा की विशेषताएं →

(1) समावेशी शिक्षा व्यवस्था में शारीरिक रूप से बाधित बालक विशिष्ट बालक तथा सामान्य बालक साथ साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं। इसमें बाधित बालकों को कुछ अधिक सहायता प्रदान करने की कोशिश की जाती है।

(2) यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत विशिष्ट बालक भी सामान्य बालकों की तरह ही महत्वपूर्ण समझे जाते हैं।

(3) समावेशी शिक्षा विशिष्ट बालकों को भी उनके व्यक्तिगत अधिकारों के साथ उसी रूप में स्वीकार करती हैं।

(4) समावेशी शिक्षा विशिष्ट बालकों की जीवन स्तर को ऊंचा उठाने एवं उनके नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखने का काम करती है।

(5) समावेशी शिक्षा विभिन्न शिक्षाविदों, अध्यापकों, शिक्षण संस्थानों तथा माता - पिताओं के सामूहिक अभ्यास पर आधारित है।

CLASSTIME

Experiment : Date

Page No.

समावेशी शिक्षा का क्षेत्र

समावेशी शिक्षा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बाधित सभी बच्चों के लिए है। यह ऐसे प्रत्येक बालक के लिए शिक्षा एवं सामान्य शिक्षक की बात करता है जो इससे लाभ प्राप्त करने के योग्य है अतः समावेशी शिक्षा का कार्य क्षेत्र ऐसे सभी बालकों के बीच अपनी पहुँच बनाना है एवं उन्हें अधिगम प्रदान कर सामान्य जीवन यापन हेतु अवसर करना है।

→ शारीरिक रूप से बाधित बालक

→ मानसिक रूप से बाद बालक

→ सामाजिक रूप से बाधित / विपत्ति बालक

→ शैक्षिक रूप से बाधित बालक।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

समावेशी शिक्षा की आवश्यकता

समावेशी शिक्षा की आवश्यकता हर देश में आवश्यक है क्योंकि बालक समावेशी शिक्षा की सहायता से सामान्य रूप से शिक्षा ग्रहण करता है। तथा अपने आप को सामान्य बालक के समान बनाने का प्रयास करता है। भले ही समावेशी शिक्षा में प्रतिभाशाली बालक विशिष्ट बालक अपंग बालक और बहुत सारे ऐसे बालक होते हैं जो सामान्य बालक से अलग होते हैं उन्हें एक साथ शिक्षा दी जाती है क्योंकि उन बालकों में अधिगम की क्षमता को बढ़ाया जा सके।

⇒ समावेशी शिक्षा एक ऐसी शिक्षा है जिसमें शिक्षा के समानता के सिद्धांत का अनुपालन किया जाता है साथ ही इस शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक एकीकरण भी संभव होता है।

⇒ समावेशी शिक्षा के द्वारा बच्चों में शिक्षण तथा सामाजिक स्पर्धा जैसे भावनाओं का भी विकास किया जाता है।

CLASSTIME

Experiment :

Date ______
Page No. ______

समावेशी शिक्षा का महत्व →

समावेशी शिक्षा का महत्व निम्नलिखित है—

(1) समावेशी शिक्षा के द्वारा बालकों में एकता या समानता का विकास होता है।

(2) जैसी कि ऊपर बताया गया है कि इसमें सामान्य तथा विशिष्ट दोनों ही बालक एक साथ पढ़ते हैं इसलिए या शिक्षा कम खर्चीली भी होती है।

(3) समावेशी शिक्षा के द्वारा बालकों का मानसिक विकास उनके अंदर नैतिक विकास सामाजिक विकास और आत्मसम्मान की भावना का विकास सही रूप से किया जाता है।

(4) जहां सभी बालक एक साथ ग्रहण करता हो वहां प्राकृतिक वातावरण का विकास होना निश्चित है।

(5) यह शिक्षा समायोजन की समस्याओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण है।

CLASSTIME

Experiment : Date ______ Page No. ______

समावेशी शिक्षा के सिद्धांत

समावेशी शिक्षा के निम्नलिखित सिद्धांत हैं –

1) **वातावरण नियंत्रण पूर्ण होना** → समावेशी शिक्षा में हर तरह के बालक एक ही कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं जिसके कारण उन में विभिन्न तरह के वातावरण उत्पन्न होता है वातावरण को एक ही वातावरण में डालने का काम समावेशी शिक्षा करता है।

2) **विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा** ⟹

समावेशी शिक्षा विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा बालकों को शिक्षा प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है बालक विशिष्ट कार्यक्रमों में भाग लेकर या उन्हें देखकर उनके अंदर अधिगम की शक्ति को बढ़ाया जाता है। इसलिए समावेशी शिक्षा में विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

3> भेदभाव रहित शिक्षा ⟹ समावेशी शिक्षा जहां बिना किसी भेदभाव के सामान्य तथा विशिष्ट बालकों को एक साथ शिक्षा दी जाती है जिससे उनके अंदर भेदभाव की भावना को मिटाया जाता है समावेशी शिक्षा भेदभाव को दूर करने छुआछूत को दूर करने का सबसे अच्छा उपहरण है।

5> माता-पिता द्वारा सहयोग प्रदान करना ⟹ समावेशी शिक्षा में ना केवल बच्चों की शिक्षा में शिक्षक ही सहायक होते हैं बल्कि उन बच्चों के माता-पिता भी उनके शिक्षा में सहयोग प्रदान करते हैं उनकी सहायता करते हैं। जिससे उनके अंदर अधिगम की शक्ति को और भी ज्यादा बढ़ाया जाता है बच्चे अपने माता-पिता के सहयोग पाकर और अच्छी तरह अधिगम कर पाते हैं।

CLASSTIME

Experiment :

Date

Page No.

5) व्यक्तिगत रूप से विभिन्नता ⟹

जो बालक समावेशी शिक्षा ग्रहण करते समय उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी या दिक्कत होती है तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से वे शिक्षा दी जाती है ताकि उन्हें सामान्य बालकों के समान बनाया जा सके।

6) लघु समाज का निर्माण ⟹

समावेशी शिक्षा में हर प्रकार के बालक जैसे सामान्य बालक प्रतिभाशाली बालक विशिष्ट बालक अपंग बालक एक ही विद्यालय में एक ही साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं जिससे उनमें एक लघु समाज का निर्माण होता है।

CLASSTIME